कला स्नातक

सत्रीय कार्य

जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्रों में

नामांकित विद्यार्थियों हेतु

बीजीडीजी–172

जेंडर संवेदीकरण : समाज और संस्कृति

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय विद्यार्थी ,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत की अधिभारिता है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा इनकी 30 प्रतिशत अधिभारिता है। इस सत्रीय कार्य में बीजीडीजी–172, जेंडर संवेदीकरणः समाज और संस्कृति नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। पाठ्यक्रम तीन भागों में सम्मिलित है। ये हैं :

भाग क में वर्णनात्मक श्रेणी प्रश्न सम्मिलित हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

भाग ख में मध्य श्रेणी प्रश्न सम्मिलित हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरांत प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग ग में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न सम्मिलित हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिए कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है सत्रांत परीक्षा में भाग लेने के योग्य होने के लिए पहले आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय के अंतर्गत पूरे करके जमा करने होंगे।

पूरे किए हुए सत्रीय कार्य जमा कराना:

प्रवेश बैच	जमा कराने की अंतिम तिथि	जमा कराने की जगह
जुलाई 2023 में नामांकित विद्यार्थियों हेतु	30 अप्रैल 2024	संबद्ध अध्ययन केंद्र का संयोजक
जनवरी 2023 में नामांकित विद्यार्थियों हेतु	31 अक्तूबर 2024	

जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें तथा उसे संभाल कर रखिए। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केंद्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि:

क) आपका उत्तर तर्कसंकत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण: जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं सहित!

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ(एसओजीडीएस)
इग्नू , नई दिल्ली

बीजीडीजी–172 : जेंडर संवेदीकरणः समाज और संस्कृति

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बीजीडीजी 172
सत्रीय कार्य कोडः सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–24
कुल अंकः 100

भाग क

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. लैंगिकता की परिभाषा दीजिए। क्या आपकी राय में लैंगिकता सामाजिक रूप से निर्मित एक संकल्पना है? अपने तर्क की पुष्टि, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। (20 अंक)
2. विज्ञापनों में पुरूषों और महिलाओं की छवि, समाज में पुरूष और नारी की निर्मित परिभाषा के अनुसार ही दर्शाई जाती है। अपने तर्क की पुष्टि, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। (20 अंक)

भाग ख

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. पुरूषत्व (मर्दानगी) की परिभाषा दीजिए और बताइए कि समाज में पुरूषत्व की संकल्पना कैसे पनपती है? (10 अंक)
4. स्त्री–पुरूष विभाजन से आप क्या समझते हैं? जेंडर के आधार पर श्रम विभाजन जैसे पहलू, महिलाओं के दैनिक जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं? (10 अंक)
5. पारिवारिक विचारधारा की दलित नारीवादी आलोचना का वर्णन कीजिए और भारत में जाति से इसके सरोकार पर प्रकाश डालिए। (10 अंक)

भाग ग

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

6. सरोगेसी (किराए की कोख) पर नोट लिखिए। (6 अंक)
7. कामकाज से आप क्या समझते हैं? (6 अंक)
8. 'ग्लास सीलिंग' और 'दोहरा बोझ' क्या है? (6 अंक)
9. महिलाओं पर जेंडर आधारित हिंसा (जीबीवी) के क्या प्रभाव हैं? (6 अंक)
10. 'लोक मीडिया' पर संक्षेप में नोट लिखिए। (6 अंक)